आई.एस.ओ. 9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिन करें WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 16 अंक 17 ● कटनी ● शुक्रवार, 18 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-2 ● विक्रम संवत 2078 शके 1935

भारत के इतिहास की सबसे बड़ी सजा

38 को फांसी, 11 को उम्र कैद

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 26 जुलाई 2008 को हुए सीरियल ब्लास्ट मामले के दोषियों को शुक्रवार को सजा सुनाई गई। 38 दोषियों को फांसी और 11 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। 8 फरवरी को सिटी सिविल कोर्ट ने 78 में से 49 आरोपियों को ॠ (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दोषी करार दिया था। इनमें से एक एक दोषी, अयाज सैयद, को जांच में मदद करने के एवज में बरी किया जा चुका है। इसके अलावा 29 भी सबूतों के अभाव में बरी हो चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि इन धमाकों में मारे गए लोगों के परिजनों को एक लाख, गंभीर घायलों को 50 हजार और मामूली घायलों को 25 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।

अहमदाबाद ब्लास्ट में 14 साल बाद इंसाफ

70 मिनट में हुए थे 21 धमाके

26 जुलाई 2008, यही वह दिन था जब 70 मिनट के दौरान 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद की रूह को हिलाकर रख दिया। शहर भर में हुए इन धमाकों में कम से कम 56 लोगों की जान गई, जबकि 200 लोग घायल हुए थी। धमाकों की जांच-पड़ताल कई साल चली और करीब 80 आरोपियों पर मुकदमा चला। पुलिस ने अहमदाबाद में 20 प्राथमिकी दर्ज की थीं, जबकि सूरत में 15 अन्य प्राथमिकी दर्ज की गई थीं, जहां विभिन्न स्थानों से भी जिंदा बम बरामद किए गए थे।

नहीं फट पाए थे 29 बम

ब्लास्ट के बाद गुजरात की सूरत पुलिस ने 28 जुलाई और 31 जुलाई 2008 के बीच शहर के अलग-अलग इलाकों से 29 बम बरामद किए थे, जिनमें से 17 वराछा इलाके के और अन्य कतारगाम, महिधरपुरा और उमरा इलाके के थे। जांच में पता चला कि गलत सर्किट और डेटोनेटर की वजह से इन बमों में विस्फोट नहीं हो पाया था।

गोधरा कांड के जवाब में किए गए थे ब्लास्ट

ये ब्लास्ट आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन और बैन किए गए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया से जुड़े लोगों ने किए थे। विस्फोट से कुछ मिनट पहले, टेलीविजन चैनलों और मीडिया को एक ई-मेल मिला था, जिसे कथित तौर पर इंडियन मुजाहिदीन ने धमाकों की चेतावनी दी थी। पुलिस का मानना था कि ढ्ढरूके आतंकियों ने 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के जवाब में ये धमाके किए। (शेष पेज 5 पर)

(फाइल फोटो)

कुमार विश्वास के बयान पर बुरे फंसे चुनाव आयोग के अधिकारी

केजरीवाल वाला वीडियो हटाने का दिया था आदेश

चंडीगढ़। कवि कुमार विश्वास का नाम इन दिनों पंजाब की राजनीति में खूब गुंज रहा है। उन्होंने हाल के दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सनसनीखेज आरोप लगाए थे। इस पूरे सियासी विवाद के लपेटे में पंजाब के अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी डीपीएस खरबंदा भी आ गए हैं। उन्होंने कुमार विश्वास के बयान को राजनीतिक दलों और मीडिया घरानों को वीडियो क्लिप नहीं चलाने के लिए आदेश जारी किया था। जिसे पंजाब सीईओ कार्यालय ने घंटों के भीतर ही वापस ले लिया था। एक अंग्रेजी दैनिक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग की जानकारी के बिना अतिरिक्त सीईओ ने यह आदेश जारी किया था। कथित तौर पर राज्य के सीईओ द्वारा भी इस आदेश को अनुमोदित नहीं किया गया था। चुनाव आयोग ने मामले को गंभीरता से लिया है। पत्र जारी करने वाले अतिरिक्त सीईओ के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। आपको बता दें कि यह मामला उस समय सुर्खियों में आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पंजाब की एक रैली में कुमार विश्वास के बयान का सहारा लेकर अरविंद केजरीवाल पर खूब हमला किया। प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ये लोग पंजाब और देश को तोड़ना चाहते हैं। ये सत्ता पाने के लिए अलगाववादियों से हाथ मिलाने को तैयार हैं।

अगर बम फटता तो 500 मीटर के दायरे में मच जाती तबाही

सीमापुरी आइईडी : स्लीपर सेल से जुड़े हो सकते हैं संदिग्ध युवक के तार

नई दिल्ली। राजधानी के पुरानी सीमापुरी के सुनार वाली गली के जिस मकान से आइईडी बरामद की गई, उसमें करीब तीन किलो तीन किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल होने की जानकारी सामने आई है। अगर यह आइईडी फट जाता तो आसपास के 500 मीटर के दायरे में बड़े पैमाने पर तबाही मच जाती। हालांकि इस आइईडी मे विस्फोटक कौन सा था? इस आइईडी को तैयार करने में क्या-क्या इस्तेमाल किया गया था? फिलहाल इसे लेकर अबतक कोई अधिकारिक बयान नही आया है। लेकिन आशंका जताई जा रही है कि इसमें आरडीएक्स व अमोनियम नाइट्रेट हो सकता है। हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही इसपर खुलासा किया जाएगा। हालांकि सूत्रों की मानें तो यह विस्फोटक गाजीपुर से मिले आइईडी से काफी मेल खाता है। खासबात यह है कि एजेंसियां यह भी मान रही हैं कि कुल्लू में भी बरामद विस्फोटक इसी तरह का था। सूत्रों के मुताबिक, 29 जनवरी की रात हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में पार्किंग में खड़ी एक कार में हुए धमाके के तार गाजीपुर में बरामद आइईडी से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि एफएसएल की टीम ने कार से जो मैगनेट बरामद किए थे, वो गाजीपुर से भी बरामद एक्सप्लोसिव से मेल खाते हैं।

बीते दिन 25 हजार नए मामले आए, एक्टिव केस 3 लाख से नीचे

कोरोना से मुक्ति की ओर देश !

8.5प्रश बुजुर्गों ने नहीं ली वैक्सीन

नई दिल्ली। मार्च-2021 से देश में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों के कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण की शुरुआत हुई। 10 माह से अधिक समय बीत जाने के बाद साढ़ेआठ फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों को अभी एक भी डोज नहीं लगी है जबकि करीब पौने दो करोड़ बुजुर्ग ने दूसरी डोज नहीं ली है। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार देश में एक करोड़ 20 लाख 82 हजार 792 लोगों ने वैक्सीन एक भी डोज नहीं ली है। कुछ राज्यों का कहना है कि संभव है कि कई बुजुर्गों ने अन्य राज्य में वैक्सीन लगवा ली हो। हालांकि, इसकी पक्की जानकारी राज्यों के पास उपलब्ध नहीं है। केन्द्र ने राज्यों से मिले आंकड़ों के आधार पर मानती है कि एक करोड़ 20 लाख से ज्यादा बुजुर्गों ने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं ली है। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 26 लाख से अधिक, पश्चिम बंगाल में 15 लाख, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सबसे ज्यादा बुजुर्गों ने वैक्सीन नहीं लगवाई है। इसमें से सिर्फ राजस्थान ने कहा है कि संभव है बुजुर्ग दूसरे राज्य चले गए हों और वहां वैक्सीन लगवा ली हो।हालांकि यह स्पष्ट नहीं है। देश में अभी तक 174 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज लग चुकी है।

,नई दिल्ली। देश में बीते दिन कोरोना वायरस से संक्रमण के 25,920 नए केस मिले, जो कि बुधवार की तुलना में 4,837 कम है। इस दौरान 492 मरीजों की मौत हुई और 66,254 लोग ठीक हुए। फिलहाल पूरे देश में कोरोना के 2,92,092 एक्टिव केस हैं। डेली पॉजिटिविटी रेट 2.07प्रतिशत है। वीकली पॉजिटिविटी रेट 2.76प्रतिशत है। फिलहाल रिकवरी रेट 98.12प्रतिशत है। देश भर में अब तक 4,19,77,238 लोग रिकवर हो चुके हैं। पूरे देश में गुरुवार को 12,54,893 कोरोना टेस्ट हुए। अब तक 75.68 करोड़ से ज्यादा टेस्ट हो चुके हैं। कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीनेशन कैंपेन जारी है। देश भर में अब तक 174.64 करोड़ वैक्सीन डोज लग चुकी है। महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना के 2,797 नए मामले दर्ज किये गए, जिसके बाद राज्य में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 78,53,291 हो गई। पिछले 24 घंटों में 40 लोगों ने कोरोना के कारण अपनी जान गंवाई, जिसके बाद कुल कोरोना मृतकों का आंकड़ा 1,43,532 हो गया है। राज्य में ओमक्रिॉन का एक भी ताजा मामला सामने नहीं आने के कारण नए वायरस के मामलों की संख्या 4,456 पर बनी हुई है। इस दौरान 6,383 रोगी कोरोना मुक्त हुए जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 76,81,961 हो गई।

तंगहाली ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

नई दिल्ली। झारखंड के एक शिक्षित व्यक्ति ने तंगहाली में ऐसा कदम उठाया, जिसने उसे जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। नौकरी पाने के लिए उसने रिश्वत की पेशकश की जिसके कारण वह जेल पहुंच गया। इस व्यक्ति ने झारखंड विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार/डिप्टी रजिस्ट्रार की नौकरी पाने के लिए पहले एक लाख रुपये की रकम की व्यवस्था की और फिर उस रकम का चेक और नौकरी के आग्रह के लिए एक पत्र स्पीड पोस्ट से मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेज दिया। मंत्रालय की तरफ से इसकी शिकायत पुलिस को की गई। 11 साल पुराने इस मामले में अदालत ने दोषी को रिश्वत की पेशकश करने पर छह महीने जेल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर एक हजार रुपये का जुर्माना किया है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश किरण बंसल के समक्ष यह मामला आया। दरअसल, इस व्यक्ति की आर्थिक तंगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 11 साल बाद यह आरोपी 6 जनवरी को पुलिस की गिरफ्त में आया। 13 जनवरी को इस आरोपी को अदालत से जमानत भी मिल गई। लेकिन, एक बार फिर जमानत राशि को कम कराने के लिए याचिका दायर की गई।

महंगाई भत्ते के एरियर पर जल्द हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के 18 महीने के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) पर जल्द फैसला कर सकती है। नेशनल काउंसिल ऑफ ज्वाइंट कंसलटेटिव मशीनरी (जेसीएम) ने सरकार ने महंगाई भत्ते के एरियर का एकमुश्त भुगतान करने की मांग की है। अंतिम फैसले के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), वित्त मंत्रालय और व्यय विभाग के अधिकारियों की जल्द बैठक होने की संभावना जताई जा रही है ।गौरतलब है कि कोरोना काल में सरकार ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक डीए के भुगतान पर रोक लगा दी थी। बाद में सरकार ने जुलाई 2021 से डीए में बढ़ोतरी तो की, मगर 10 महीने के डीए के भुगतान मामले में कोई निर्णय नहीं लिया। तब से केंद्रीय कर्मचारियों से जुड़े यूनियन एरियर का भुगतान करने की मांग कर रहे हैं।

ठाणे में बर्ड फ्लू की दस्तक

100 पक्षी मरे, 25000 पक्षियों को मारने की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जि़ले के शाहपुर तहसील के वेहलोली गांव में एक पोल्ट्री फार्म में करीब 100 मुर्गियों की अचानक मौत हो जाने से हडकंप मच गया है। ठाणे के डीएम और कलेक्टर राजेश जे. नार्वेकर ने कहा है कि बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए उनके नमूने पुणे की एक प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। डीएम राजेश जे. नार्वेकर ने साथ ही कहा है कि अगले कुछ दिनों में प्रभावित पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले करीब 25,000 पक्षियों को मारा जाएगा। जि़ला पशुपालन विभाग को संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए उपाय करने का आदेश दिया गया है।

बोम्मई सरकार ने जारी किए आदेश

कर्नाटक के अल्पसंख्यक स्कूलों में भी हिजाब पर प्रतिबंध

बेंगलुरु ।कर्नाटक केअल्पसंख्यक स्कूलों में भी हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य की बोम्मई सरकार ने गुरुवार को इसको लेकर आदेश जारी किए हैं। राज्य के मौलाना आजाद मॉडल अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों सहित अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, हज और वक्फ विभाग के सचिव मेजर मणिवन्नन पी ने इससे संबंधित आदेश जारी किए हैं। विभाग ने अपने आदेश में कर्नाटक हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का जिक्र किया है जिसमें छात्र-छात्राओं को कक्षा के भीतर भगवा शॉल, स्कार्फ और हिजाब पहनने से रोक दिया गया है। आदेश में कहा गया है, हाईकोर्ट का उपरोक्त आदेश अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले आवासीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, मौलाना आजाद आदर्श अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों पर भी लागू है।

शिवराज कैबिनेट में होंगे कई महत्वपूर्ण

अब कर्मचारी चयन बोर्ड होगा व्यापमं का नाम

भोपाल ।आठ मार्च को विधानसभा में प्रस्तुत होने वाले वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट प्रस्ताव को मंजूरी के लिए आज कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। इसके ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। बजट का फोकस अधोसंरचना विकास के साथ कृषि, रोजगार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने पर रहेगा। वहीं, प्रदेश में रेत परिवहन में लगे वाहनों से टैक्स वसूला जाएगा। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे अंतिम निर्णय के लिए शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में प्रस्तावित कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) का नाम सरकार बदलकर कर्मचारी चयन बोर्ड करेगी। इसके साथ ही इसका प्रशासकीय नियंत्रण तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की जगह सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपा जाएगा। व्यापम द्वारा आयोजित सरकारी नौकरी और मेडिकल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई थी और सीबीआइ जांच तक हुई। सूत्रों के अनुसार बजट में आत्म निर्भर मध्य प्रदेश की कार्ययोजना की पूर्ति के लिए पर्याप्त प्रविधान रखे जाएंगे। सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट को तैयार किया गया है। अधोसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले बढ़ाना प्रस्तावित है। कृषि, छोटे उद्योग और रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त राशि संबंधित विभागों को आवंटित की जाएगी। प्रदेश सरकार रेत परिवहन में लगे वाहनों पर सड़कों के रखरखाव के नाम पर टैक्स लगाने की तैयारी में है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें रेत खनन के प्रत्येक परिवहन पास में व्यावसायिक ट्रैक्टर से पांच सौ, डंपर या ट्रक से एक हजार और मल्टी एक्सल वाहन से दो हजार रुपये सड़क संधारण शुल्क लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में तैराक को जिंदा निगल गई शार्क

सिंडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से खौफनाक मामला सामने आया है। यहां शार्क से हमले से एक तैराक की मौत हो गई। करीब 60 साल में शहर के किसी बीच पर इस तरह की पहली मौत है। इस घटना के बाद बोंडी और ब्रोंटे सहित कई समुद्री तटों को बंद कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया पुलिस के अनुसार यह हमला बुधवार को हुआ। मृतक के अवशेष पानी से निकाल लिए गए हैं। शार्क द्वारा हमले का वीडियो समुद्र तट पर मौजूद किसी शख्स ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैवीडियो सिडनी से करीब 20 किमी दूर दक्षिण में लिटल बे बीच का है। जिसमें शार्क को तैराक पर हमला करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में नजर आ रहा है कि एक शख्स ने बताया कि उसने तैरात को देखा था। जिसे शार्क खींचकर पानी के अंदर ले गई। व्यक्ति के कहा कि जब वह पानी के अंदर जा रहा था। तब पानी में हलचल हो रही थी, जो बहुत भयानक था। उसने कहा, च्मैं अब भी डरा हूं। चंद सेकड के अंदर यह सब हुआ। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक शार्क तैरते हुए शख्स पर हमला कर रही है। तैराक शार्क से बचने की पूरी कोशिश करता है, लेकिन सफल नहीं हो पाता। आखिर में शार्क उसे पूरा निगर जाती है।

5 दिन बाद भी टनल हादसे में जिम्मेदारी तय नहीं

प्रदेश अध्यक्ष के साथ भाजपा संगठन तथा विधायकों के बीच मंत्रणा, प्रभारी मंत्री से भी हुई बात

कटनी। मजदूरों की मौत के मामले में हादसे के पांच दिन बाद भी किसी पर जिम्मेदारी तय नहीं हो सकी है। पहलने मजदूर सरकारी अस्पताल में अव्यवस्थाओं का शिकार बने दो लोग अभी भी इलाजरत हैं। परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनकी ओर देखने वाला कोई नहीं है। हादसे की वजह सही तरीके से समझने पहुंचे मीडिया कर्मियों के सामने निर्माण एजेंसी मैसर्स पटेल एसईडब्ल्यू (संयुक्त उपक्रम) हैदराबाद के मैनेजर सामने तक नहीं आए। हादसे की वजह समझने यहां जब मीडिया पहुंची तो मैनेजर उग्रसेन ने सामने आने से मना कर दिया। अब मजदूरों का मुआवजा बीमा कंपनी के भरोसे है। पटेल मेसर्स ने पूरा ठीकरा रॉबिंस टनलिंग एंड ट्रेचलेस टेक्नोलॉजी के ऊपर फोड़ दिया है जबकि मुख्य निर्माण कंपनी मेसर्स पटेल एसईडब्ल्यू(संयुक्त उपक्रम) हैदराबाद ही है।

शासन ने घोषित की सहायता

इस बीच मध्यप्रदेश शासन ने मृत मजदूरों के लिए 4 लाख रुपये और घायल मजदूरों के लिए 50 हजार रुपये की घोषणा की है। सलैया फाटक स्थित कंपनी के दफ्तर में लाइजिनिंग का काम करने वाले धनराज पांडेय ने बताया कि कंपनी ने अभी इस मामले में मजदूरों के लिए कोई भी मुआवजा निर्धारित नहीं किया है। सलैया फाटक स्थित दफ्तर में बैठे लोग मजदूरों की असुरक्षा के लिए सरकार को जिम्मेदार मान रहे है। भले ही प्रोजेक्ट के लिए 799 करोड़ रुपये लिए जा रहे हों लेकिन कंपनी द्वारा मजदूरों की सुरक्षा के विषय में सरकार को जिम्मेदार बता रही है।

सरकारी नुमाइंदे भी कंपनी का पक्ष रखते हैं

वहीं सरकारी नुमाइंदे भी कंपनी का पक्ष रखते ऐसे नजर आ रहे हैं जैसे कि वह सरकार के नहीं कंपनी के प्रतिनिधि हों। भले ही इस हादसे में दो मजदूरों की जान चली गई हो लेकिन नर्मदा विकास घाटी खिरहनी के इंजीनियर मामले में कह रहे हैं कि सुरक्षा के नियमों का पूरा पालन किया गया। इसके अलावा अभी तक मामले में जिम्मेदारी तय नहीं हो सकी कि हादसा किन वजहों से हुआ है।

सुरक्षा पर सवाल का नहीं है जवाब

मौके पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नजर नहीं आते हैं। वहीं मीडिया के सवालों से भी कंपनी के जिम्मेदार सरकारी प्रोजेक्ट नाम पर मुंह छुपा रहे हैं। सवाल यह हैं कि यदि कंपनी द्वारा सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का पालन किया गया तो मजदूरों की जान कैसे गई। इसके अलावा यदि कंपनी का पक्ष सही है तो कंपनी मीडिया को यह क्यों नहीं बता रही कि सुरक्षा के मानकों किस तरह पालन किया गया। यदि सुरक्षा के मानकों का पालन किया गया तो मजदूरों की जान कैसे चली गई।

सत्ता पक्ष 7 लोगों के बचने पर वाहवाही लूट रहा

इधर सत्ता पक्ष दो लोगों की मौत से ज्यादा 7 लोगों के बचने पर अपनी वाहवाही बता रहा है। गत दिनों कटनी आये प्रदेश अध्यक्ष ने भी 7 लोगों के बचने का जिक्र करते स्थानीय प्रशासन की वाहवाही की थी। जबकि इस मामले की जांच और कंपनी को लेकर कोई बात नहीं कही।

रिचार्ज में सिमटी जिंदगी हजारों में पहुंचता जा रहा खर्च

रसोई, टीव्ही देखना, मोबाइल पर बात करना सब में कट रही जेब

कटनी। चूल्हा जलाना, खाना बनाना, सीरियल देखना मोबाइल पर बात करना दिनों दिनो दिन महंगा हो गया है। कई सर्विसेज के लिए ज्यादा रुपए चुकाने पड़ते हैं। मतलब सुबह से जो जिंदगी शुरू होती है वह रिचार्ज कराने से शुरू होती है और रिचार्ज पर आकर समाप्त हो जाती है। कभी पेट्रोलियम कंपनियों के दाम बढ़ने की खबर, कभी मोबाइल रिचार्ज रेट बढ़ने की खबर, फिर केबल टीव्ही के रिचार्ज के रेट बढ़ने की खबर। हाल ही में गैस सिलेंडर के नाम 100 रुपए बढ़ा दिए हैं। वहीं जियो के रिचार्ज 21प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। कैसे दिन भर लोगों के पैसे निकलते हैं उसकी बानगी यहां हम बतारने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी पर 99 रुपए और टैक्स अलग से देना होगा।

खाना बनाना है तो पहला खर्च एलपीजी का

पेट्रोलियम कंपनियों ने महंगाई का झटका लगतार दिया है। पिछले दो साल में तीन सौ रुपए का इजाफा हुआ है। यह वह खर्च है जो सीधे सीधे रसोई पर आता है। एक माह में लगभग हर व्यक्ति को एक हजार रूपये खर्च करना ही है। रेट को लेकर सरकार की ओर से कोई ऐसा निर्णय नहीं हो रहा जिससे लोगों को राहत मिल सके।

बात करना महंगा, मोबाइल कंपनियों के रिचार्ज प्लान की कीमत बढ़ी

दूसरे नंबर पर आता है मोबाइन का रिचार्ज 4 जी आने के बाद लोगों को डेली इंटरनेट यूज जमकर बढ़ गया। शुरू में कंपनियों ने सस्ते प्लान से आदत बनाई और धीरे धीरे इसकी कीमत में इजाफा शुरू कर दिया अब आलम यह है कि अधिकांश व्यक्ति मोबाइल में बिना इंटरनेट रह नहीं पाता इसका फायदा कंपनियां जमकर ले रही हैं। जियो ने अपने टैरिफ प्लान महंगे कर दिए हैं। जियो के 75 रुपए वाले प्लान के लिए 1 दिसंबर से 91 रुपए चुकाने पड़े। जियो के रीचार्ज प्लान करीब 21 प्रतिशत तक महंगे हो गए है। अब 129 रुपए वाला प्लान 155 रुपए, 399 वाला प्लान 479 रुपए, 1,299 वाला प्लान 1,559 रुपए और 2,399 वाला प्लान अब 2,879 रुपए में मिल रहा है। डेटा टॉप-अप की कीमत भी बढ़ाई गई है। अब 6 जीबी डेटा के लिए 51 के बजाय 61, 12 जीबी के लिए 101 के बजाय 121 रुपए और 50 जीबी के लिए 251 रुपए के बजाय 301 रुपए खर्च करने होंगे।

क्रेडिट कार्ड के लिए 99 रुपए लगेगा चार्ज

अगर आपके पास का क्रेडिट कार्ड है, तो इसके लिए भी हर माह आपको क्रेडिट कार्ड का बिल भरना जरूरी है। भले ही इसे एक रिचार्ज न कहें मगर लोगों के खर्च में इन दिनों ये भी एक बड़ा खर्च जुड़ गया है। कटनी शहर में बीते एक साल में क्रेडिट कार्ड धारको की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही एक और खर्च भी निरंतर बढ़ता जा रहा है। हाल ही में क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आपको थोड़ा महंगा पड़ना शुरू हो गया।। दरअसल, अब क्रेडिट कार्ड के जरिए किए जाने वाले ट्रांजैक्शन के लिए अब आपको ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने यह घोषणा की है।

टीव्ही देखना महंगा, एक और मुख्य रिचार्ज जिसके बिना अधूरी है जिंदगी

अगर आप टीव्ही देखना चाहते हैं तो फ्री टू एयर के चैनल आपको मुफ्त में मिल जाएंगे लेकिन प्रमुख चैनल अभी भी पेड ही हैं। यह ऐसा रिचार्ज है जो लोगों को करना जरूरी है। इसके पैक भी कम से कम पांच सौ रूपए प्रतिमाह के खर्च पर मिलते हैं। साफ है घर में मनोरंजन के लिए यह रिचार्ज भी लोगों की जेब ढीली करा रहा है। हाल ही में स्टार प्लस, कलर्स, सोनी और जी जैसे चैनल्स के लिए 35 से 50 प्रतिशत तक ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही। सोनी चैनल को देखने के लिए 39 रुपए की जगह 71 रुपए प्रतिमाह इसी तरह कुछ अन्य चैनल के लिए 39 रुपये की बजाय 49 रुपए महीना देने पड़ रहे हैं। रिचार्ज नहीं कराया तो टीव्ही बंद।

चूल्हा जलाना है तो माचिस की कीमत होगी दोगुनी

माचिस की कीमत 14 साल बाद दोगुनी हो चुकी है। यह घर का सबसे छोटा ऐसर संसाधन है जो हर घर के लिए अतिआवश्यक है। माचिस की डिब्बर किसी घर में न हो ऐसा हो नहीं सकता। एक दिसंबर 2021 से आपको माचिस की एक डिब्बी के लिए 1 रुपए की जगह 2 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। आखिरी बार 2007 में माचिस के दाम 50 पैसे से बढ़ाकर 1 रुपए किए गए थे। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह माचिस को बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के दामों का बढ़ना है।

पतझड़ की दस्तक,4 डिग्री बढ़ा तापमान, रात अभी सर्द

कटनी। जिले में पिछले कुछ दिनों से शहर सहित अंचल तेज धूप के साथ ही तापमान में भी लगातार वृद्धि हो रही है। पांच दिनों में तीन डिग्री तक दिन का तापमान बढ़ गया है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब लगातार तापमान में वृद्धि होगी। फरवरी में दिन का तापमान 29 डिग्री के पार पहुंच गया है। तापमान बढ़ने के साथ पतझड़ भी शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात से हवा का रुख बदल गया है। इस कारण ही तापमान तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया हवा पहले पश्चिमी थी, जो बदलकर अब दक्षिणी हो गई है। बताया कि आने वाले दो-तीन दिन में तापमान थोड़ा कम होगा, लेकिन इसके बाद लगातार तापमान में वृद्धि होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 5 दिन पहले दिन का तापमान 26 व रात का 9 डिग्री था, जो अब बढ़कर 29 और 11 डिग्री के पार पहुंच गया है। यानि पांच दिन में ही दिन और रात के तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। फसलों के बाद अब जंगल भी सूखने लगे हैं। जो जंगल सर्दी, बरसात के हरे- भरे दिखते थे, वही जंगल अब पतझड़ के मौसम आते ही पत्ते गिराने लगे हैं। गर्मी शुरू होने से पहले ही अब कभी हरियाली की चादर ओड़े नजर आने वाला जंगल उजाड़ सा नजर आने लगा है। पेड़ों के पत्ते पीले होकर गिरने लगे हैं।

शहरी क्षेत्र में शिविरों से वसूला जा रहा टेक्स

कटनी। वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बचे शेष दिवसों को दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा निगम के बकाया करों की राशि के लक्ष्य की वसूली के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। बाजार शाखा प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि नगर निगम स्वामित्व की दुकानों के बकाया किराया राशि की शत प्रतिशत वसूली को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व शाखा के गठित दल द्वारा झंडा बाजार में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान झंडा बाजार स्थित निगम स्वामित्व की दुकानों के किरायेदारों एवं नागरिकों से संपर्क कर शिविर की जानकारी प्रदान करते हुए 56 रसीदों के माध्यम से दुकान किराया राशि के 363752 रुपये तथा सर्पत्तिकर की 53 रसीद काटी जाकर 176675 व जलकर की 13 रसीद से 21665 रुपये कुल 562092 रुपये निगम कोष में जमा किये गए। दुकानदारों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए 17 फरवरी 2022 को गोल बाजार में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निगम स्वामित्व की दुकानों के किरायेदारों को बकाया राशि जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सिटी मॉल बरही रोड में
शानदार दूसरा सप्ताह
रोजाना 3 शो ता. 11 से
1,4 एवं सायं 7 बजे से

बधाई दो
कलाकार- राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर
शीबा चड्डा, हनी यादव आदि।

यदि आप तक
समय पर
यश भारत
नहीं पहुंच रहा
है तो संपर्क करें
फोन :- 230033

दिन में सड़क का डामरीकरण लग रहा जाम, लोग परेशान

कटनी। शहर की सड़कों पर डामलीकण से लोग खुश तो जरूर हैं लेकिन सड़क बनाने का समय उचित नहीं है जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर निगम द्वारा अव्यवस्थाओं के बीच सड़क निर्माण करवाया जा रहा है। वैकल्पिक मार्ग ने होने से नागरिक परेशान हो रहे हैं। शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में डामरीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन यहां पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। लोग बीच में से ही निकलने का प्रयास कर रहे हैं। इससे यहां पर जाम की स्थितियां बन रही हैं। इसके अलावा अन्य स्थानों पर नगरनिगम द्वारा सड़क का निर्माण किया जा रहा है। नगरनिगम से मिली जानकारी के अनुसार ओवरब्रिज से गर्ग चौराहा तक डामिरीकरण का कार्य किया जा रहा है। गर्ग चौराहा से कारगिल चौक गजानन काम्पलेक्स होते हुए कमानिया गेट गली, मेन रोड तक, हनुमान मंदिर तक, मैन रोड विश्वकर्मा पार्क, गणेश चौक से सुभाष चौक तक, सुभाष चौक से अहिंसा तिराहा तक, अहिंसा तिराहा से मिशन चौक तक, गर्ग चौराहा से घंटाघर तक, झंडाबाजार सड़क, मोहन टाकीज रोड, लक्ष्मी बाई पर भी सड़क का डामरीकरण किया जा रहा है। कोतवाली चौराहा से मुड़वारा स्टेशन, एसबीआई चौराहा से कचहरी चौक तक डामिरीकरण किया जा रहा है। तिलक कालेज से एसकेपी तिराहा तक एंबुलेंस रोड मां मेडिकल विनय बुक डिपो तक पेंच मरम्मत कराया जा रहा है। वार्ड नंबर 5 व वार्ड नंबर 8 में भी सड़क का पेंचवर्क चल रहा है। लेकिन कई स्थानों पर वैकल्पिक मार्ग न होने से लोग परेशान हो रहे हैं।

स्कूली छात्र भी रहे परेशान

सिविल लाइन रेस्ट हाउस के पास बने स्कूल के पास सड़क पर डामरीकरण के कारण अवरोधक लगाए गए हैं। लेकिन इस स्थान तक पहुंचने के लिए एक ही रास्ता है। गुरुवार सुबह सेंटपाल स्कूल पास सेंट पाल स्कूल पढ़ने वाले बच्चों को उनके अभिभावक लेने पहुंचे लेकिन सड़क पर बैरिकेट्स लगे होने के कारण अभिभावकों को सेंटपाल स्कूल के गेट तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अभिभावक बेरिकेट के इसी तरफ खड़े रहकर अपने बच्चों का इंतजार करते रहे। इस दौरान सड़क पर जाम की स्थिति भी देखी गई। वैकल्पिक मार्ग नहीं होने से आम राहगीर अवरोधक किनारों से वाहनों को निकालते देखे गए।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज

रोजाना 3 शो ता. 18 से 12.30, 3.30 एवं सायं 6.30 बजे से
UNCHARTED
(हिन्दी में)
कलाकार- टॉम होलेंड, सोफिया टेलर, एनटोनियो, ब्रायन क्रेस्टन आदि।

बारातों ने बिगाड़ दी यातायात व्यवस्था

कटनी। कटनी में यातायात की समस्या इन दिनों काफी बढ़ गई है। इसके कई कारणों में से एक है शादी विवाह । इन दिनों विवाह के शुभ मुहूर्त होने के कारण लगातार शहर की सड़कों पर बरातों से जाम लग रहा है। बरातों की सड़कों पर धमाचौकड़ी से लगने वाले जाम से आम राहगीर खुद को परेशानी से नहीं बचा पा रहे हैं। गुरुवार देर रात को शहर में जगन्नाथ चौक आदर्श कालोनी मोड़ सहित अन्य स्थानों पर जाम लग गया। बड़ी संख्या में दोपहिया और चार पहिया वाहन घंटों में जाम में फंसे रहे। यही स्थिति जगन्नाथ चौक से बस स्टैंड और मिशन चौक तक बन गई। सबसे बड़ी बात यह रही कि घंटों के इस जाम को व्यवस्थित करवाने के लिए कोई यातायात का जवान नजर नहीं आ रहा था। इस बीच लोगों ने शहर के यातायात को जमकर कोसा। बरातियों के बीच से ही कुछ लोग निकलकर यातायात को व्यवस्थित करवाने में लगे रहे। इसके बाद ही स्थिति संभल सकी लेकिन इस जाम के कारण लोग बरातों और शादियों में पहुंचने के लिए तय समय से देर पर पहुंचे।

बरातों को व्यवस्थित करने की कोई योजना नहीं

शहर में इन दिनों जमकर शादियां हो रही हैं। बराती शहर की सड़कों पर ही जमकर धमाल मचा रहे हैं। यातायात के पास बल नहीं है। परेशान शहर के नागरिक हो रहे हैं। आदर्श कॉलोनी मोड़ फंसे नागरिक रवि प्रताप ने बताया कि शहर का यातायात कभी नहीं सुधर सकता है। इसका प्रमुख कारण यातायात विभाग के जिम्मेदारों के पास इसे व्यवस्थित करने की कोई योजना ही नहीं है। दूसरे नागरिक मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि यातायात विभाग के पास यह जानकारी है कि आज और कल शहर में पूरे मैरिज गार्डन बुक हैं। ऐसे में बराती सड़क पर डांस न करें। इनके लिए यदि पहले से व्यवस्थित योजना बना दी जाए तो आम नागरिकों को परेशानियां का सामना न करना पड़े।

पुलिस वालों ने दिया धक्का तब चली कार

कटनी में मिशन चौक सागर पुलिया के नीचे एक कार बंद हो गई। जिसे देखकर मिशन चैक में तैनात यातायात थाने के एएसआई और आरक्षक तत्काल पुलिया के नीचे पहुंचे। कार बंद होने पर पुलिया में जाम लगने के मद्देनजर बगैर देर किए एएसआई और आरक्षक ने कार को धक्का मारते हुए आगे बढ़ाया और पुलिया के बाहर कर दिया। जिसके कारण जाम नहीं लगा। दरअसल मिशन चैक पुलिया के नीचे से गुजर रही एक कार पुलिया के नीचे बंद हो गई। जिसकी जानकारी पुलिया के नीचे गुजर कर आए मुसाफिरों ने मिशन चैक में तैनात यातायात पुलिस को दी। जिसके बाद बगैर देर किए हुए यातायात थाने के एएसआई और आरक्षक पुलिया के नीचे पहुंचे। दोनों ने कार के चालक को कार बैठने को कहा और कार में धक्का मारने लगा। दोनों पुलिस कर्मियों ने कार को धक्का देकर पुलिया के बाहर करा दिया। दोनों पुलिस कर्मियों की सूझबूझ से जाम नहीं लगा। पुलिया के नीचे से कार को हटाने के लिए क्रेन का इंतजार किया जाता तो पूरे शहर में जाम की स्थिति बन जाती है।

कोरोना का असर कम होने के बाद अब स्कूलों में ऑफलाइन एग्जाम की तैयारी

निजी स्कूलों में छोटी कक्षाओं को भी संचालित किया जा रहा

कटनी। कोरोना संक्रमण का असर कम होने के बाद अब शहर के लगभग सभी निजी स्कूलों में ऑफलाइन एग्जाम लिए जाने की तैयारी की जा रही है। पैरेंट्स को इससे अवगत कराते हुए उनसे सहमति भी ली जा रही है। कुछेक स्कूलों में 22 फरवरी से वार्षिक परीक्षाओं का ऑफलाइन आयोजन किया जा रहा है। संक्रमण की रफ्तार पर ब्रेक लगने के बाद से ही निजी स्कूलों का फोकस परीक्षाओं पर था और राज्य सरकार की नई गाइडलाइन आने के बाद से ही इस पर काम किया जा रहा है। अब जब कोरोना संक्रमण में कमी आई है तो परीक्षाओं को ऑफलाइन कराने का निर्णय लिया गया है।

गौरतलब है कि 2020 में जब कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी थी, उस समय स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। 2020-21 सत्र में एक भी दिन स्कूल नहीं लगा। बच्चों के एग्जाम ऑनलाइन ही लिए गए, जबकि बोर्ड एग्जाम भी इसी कारण टाल दिए गए थे और पुरानी परीक्षाओं के आधार पर छात्रों के रिजल्ट घोषित किए गए। अप्रैल 2022 में जब राज्य सरकार ने स्कूल शुरू करने की तैयारी की, तो एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली।

जिसके बाद सरकार ने ऐन वक्त स्कूलों को शुरू नहीं करने का निर्णय लिया था, इससे सबसे ज्यादा नुकसान छोटे बच्चों का हुआ, जिन्होंने स्कूलों में अभी-अभी एडमीशन लिया था। पिछले साल दीपावली के बाद जब कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमी तो सरकार ने स्कूल शुरू करने का ऐलान कर दिया। 1 जनवरी से स्कूल लगे, लेकिन कुछ समय बाद ही कोरोना संक्रमण के चलते एक बार फिर स्कूलों को बंद करना पड़ा। अब स्कूल सप्ताह के सभी दिन लगने के साथ ही परीक्षाओं की तैयारियां की जा रही है।

संक्रमण में कमी लेकिन खतरा टला नहीं

इस पूरे मामले को लेकर सीएमएचओ डॉ. पी के मुढ़िया ने कहा कि भले ही अभी कोरोना संक्रमण की रफ्तार में कमी आई हो, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार स्कूलों का संचालन किया जा रहा है लेकिन इस दौरान स्कूल संचालकों के साथ ही अभिभावकों को भी कोरोना संक्रमण को लेकर सावधानी बरतना चाहिए। लापरवाही नहीं बरतना चाहिए।

सेंटपॉल में सोमवार से लगेंगी केजी टू की कक्षाएं

राज्य सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण में कमी आने के बाद कुछ दिन पहले नई गाइडलाइन जारी की गई थी, जिसमे स्कूलों को शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद शासकीय स्कूलों के साथ ही निजी स्कूलों ने भी गाइडलाइन का पालन करते हुए स्कूलों को शत प्रतिशत उपस्थिति के संचालित करने के निर्देश जारी कर दिए। अब कई स्कूलों द्वारा छोटी कक्षाओं के बच्चों के स्कूल लगाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक सिविल लाइन स्थित सेंटपॉल किंडरगार्टन स्कूल में केजी टू के बच्चों की कक्षाएं सोमवार 21 फरवरी से लगाई जा रही हैं।

आज से दसवीं के एग्जाम शुरू, कल 12वीं की परीक्षा में अनुपस्थित रहे 180 छात्र

कटनी। हायर सेकेंडरी कक्षा बारहवीं की परीक्षाएं कल गुरूवार से शुरू होने के बाद आज शुक्रवार से दसवीं की परीक्षाएं भी शुरू हो गईं। आज कक्षा दसवीं में हिन्दी का परचा हुआ। कोरोना संक्रमण में कमी आने के बाद दो साल बाद ऑफलाइन परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिले में दसवीं की परीक्षा में 18 हजार 922 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं, हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हिन्दी के प्रश्न पत्र में कितने छात्र अनुपस्थित हैं। गौरतलब है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत गुरूवार को कक्षा बारहवीं के अंग्रेजी के प्रश्नपत्र से हुई। पहले पेपर में 11082 परीक्षार्थियों में से 10 हजार 902 परीक्षार्थी शामिल हुए और 180 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कोरोना संक्रमण को लेकर सावधानी बरतने के लिए परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक इंतजाम किए गए थे। छात्रों को थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा था। परीक्षा के दौरान कोरोना संक्रमित छात्रों के लिए अलग से रूम बनाया गया था लेकिन इस दौरान एक भी छात्र पॉजीटिव नहीं मिला। परीक्षा केन्द्रों का एक दिन पहले ही सैनिटाइजेशन कराया गया था। जिला शिक्षा अधिकारी पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि प्रत्येक प्रश्नपत्र के बाद परीक्षा कक्षों को सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। जिले में 101 केन्द्रों में से 7 परीक्षा केन्द्र संवेदनशील बनाए गए थे, जहां सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहा। सुरक्षा व्यवस्था इतनी सख्त थी कि अभिभावकों को गेट के भीतर प्रवेश नहीं दिया जा रहा था।

थर्मल स्क्रीनिंग के बाद परीक्षा केन्द्र में छात्रों को दिया जा रहा प्रवेश, बरती जा रही सतर्कता

पुलिस की मनमानी के खिलाफ सड़क पर उतरे ई-रिक्शा चालक, गणेश चौक में लगाया जाम

कटनी। यातायात पुलिस की मनमानी के खिलाफ आज ई-रिक्शा चालकों ने हड़ताल कर दी। गणेश चौक के पास बड़ी संख्या में एकत्रित ई-रिक्शा चालकों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपने वाहन यहां खड़े करते हुए जाम लगा दिया। ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि यातायात पुलिस द्वारा ई-रिक्शा चालकों को रेलवे स्टेशन से मेन रोड की बजाए व्हीआईपी मार्ग से सवारियों को ले जाने के लिए कहा गया है, इससे इनका काफी नुकसान होगा। अभी तक ई-रिक्शा चालकों द्वारा स्टेशन चौराहे से सुभाष चौक होते हुए मिशन चौक तक सवारियों को ले जाया जा रहा था। यातायात पुलिस के नए निर्देशों से उन्हें काफी दिक्कतों सामना करना पड़ेगा। हड़ताल की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। दोपहर में ई-रिक्शा चालकों द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन भी दिया जाना है।

बरही में संत रविदास जयंती पर कार्यक्रम, समाज के संतों का सम्मान

बरही। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह का आयोजन बरही के मंगल भवन में अजा विभाग के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जनपद अध्यक्ष लालजी मिश्रा मुख्य अतिथि, अल्लोबाई पूर्व जनपद अध्यक्ष, काशी प्रसाद चौधरी कार्यक्रम अध्यक्ष, महेश मंडलोई अनुविभागीय अधिकारी, जितेंद्र पटेल तहसीलदार बरही, चंद्रपाल इनवाती नायब तहसीलदार, विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र तिवारी सीईओ मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी के छायाचित्र पर मार्ल्यापण से हुआ। अतिथियों का स्वागत के साथ संतो का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का सम्मान भी किया गया। जनपद विजयराघवगढ़ के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद बरही के अधिकारी कर्मचारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अरविंद तिवारी, विशंभर चौधरी ने किया। कार्यक्रम की व्यवस्था बनाने में नगर परिषद बरही के अधिकारी तीरथ चतुर्वेदी रिंकू, मनोज कोरी, रमेश तोमर, अजय तिवारी, इंजीनियर देवेंद्र सोनी, पंचायत सहायक सचिव हेमराज उपाध्याय जुटे रहे। कार्यक्रम में बरही सहित ग्रामीण अंचलों से लोगों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के लाइव भाषण का प्रसारण किया गया। जनपद एवं नगर परिषद बरही द्वारा अजा के 10 हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

अनुसूचित जाति के 10 हितग्राहियों को योजनाओं से किया गया लाभान्वित

बडगांव में अब नए भवन में लगेगा ग्राम पंचायत कार्यालय

कटनी/रीठी। जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांव में गुरूवार 17 फरवरी को नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत के सचिव सुरेंद्र हल्दकार ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 लाख 14वें वित्त आयोग एवं 15वें वित्त आयोग की मद से 10 लाख मनरेगा की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन निर्मित किया गया था, जिसका लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दर्शन सिंह चौधरी किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक प्रणय प्रभात पांडे रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष श्रीमती रोशनी चंदन सिंह ने की। नवीन पंचायत भवन लोकार्पण समारोह में जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती मीरा उत्तम पटेल, जनपद सदस्य अशोक रैकवार, सरपंच श्रीमती रजनी भैरव शाह जूदेव, उपसरपंच रामकुमार पटेल एवं सभी पंच, सचिव सुरेंद्र हल्दकार, ग्राम रोजगार सहायक, अरविंद लोधी एवं बड़ी संख्या में ग्राम वासियों की उपस्थिति रही। गौरतलब है कि एक अन्य कार्यक्रम में रीठी जनपद की ग्राम पंचायत अमगवां में भी नवीन पंचायत भवन सर्वशिक्षा अभियान के तहत प्राथमिक शाला भवन निर्माण बिहारी जी मंदिर में छतरी निर्माण का लोकार्पण किया गया।

14वें और 15वें वित्त आयोग से मिले 20 लाख रूपए की लागत से हुआ निर्माण

1 मार्च को निरस्त रहेगी प्रयागराज छिवकी इटारसी एक्सप्रेस

कटनी। उत्तर मध्य रेलवे में नैनी-प्रयागराज छिवकी रेलखण्ड पर तीसरी रेल लाइन को जोड़ने के लिए यार्ड रिमॉडलिंग के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ गाड़ियों को निरस्त एवं कुछ को आंशिक निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। जिसमे पमरे से प्रारम्भ, टर्मिनेट गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला एक्सप्रेस 24 फरवरी, वापसी में गाड़ी संख्या 01666 अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस 27 फरवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 11117 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस 17 फरवरी से 28 फरवरी तक और वापसी में गाड़ी संख्या 11118 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस 18 फरवरी से 28 फरवरी तक कटनी स्टेशन पर शॉर्टटर्मिनेट, ओरिजिनेट होगी। यह ट्रेन कटनी-प्रयागराज छिवकी के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। इसके साथ ही रेक को बैलेंस करने के लिए गाड़ी संख्या 11118 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस 1 मार्च को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

रेलवे ट्रैक का काम होने के कारण अजमेर नहीं जाएगी दयोदय एक्सप्रेस

कटनी। जबलपुर से जयपुर होकर अजमेर तक जाने वाली दयोदय एक्सप्रेस के ठहराव में बदलाव किया गया है। जबलपुर रेल मंडल ने निर्णय लिया है कि यह ट्रेन अजमेर की बजाए जयपुर तक ही जाएगी। दरअसल जबलपुर स्टेशन से कटनी, दमोह, सागर, गुना, कोटा से जयपुर होकर अजमेर जाने वाली दयोदय एक्सप्रेस गाड़ी नंबर 12181 को 26 फरवरी को अजमेर नहीं जाएगी। इसे जयपुर से वापस लौटा लिया जाएगा। गाड़ी को 26 फरवरी को जबलपुर से रवाना किया जाएगा। इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जयपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक का काम होने के कारण इस गाड़ी को 26 फरवरी को जबलपुर से रवाना किया जाएगा। 27 फरवरी को अजमेर की जगह जयपुर स्टेशन पर ही समाप्त कर दिया जाएगा। इसी तरह वापसी में भी यह ट्रेन नंबर 12182 27 फरवरी को अजमेर के स्थान पर जयपुर से ही प्रारंभ होकर कोटा, गुना, सागर, दमोह, कटनी मार्ग से वापस जबलपुर आएगी।

आम सूचना

सर्वसाधारण एवं खास को सूचित किया जाता है, कि मौजा मुड़वारा प.ह.नं. 43, जगमोहनदास वार्ड, कटनी स्थित भूमि ख.नं. 482/4 रकवा 0.157 हे. भूमि के भूमि स्वामी वर्तमान मे मेरे पक्षकारगण राजाराम यादव शिवकुमार यादव, कृष्णकांत यादव, व श्रीमती गीता यादव है, उक्त भूमि मेरे पक्षकारगण व कल्लूलाल यादव को उनकी मां प्यारी बाई से वसीयतनामा दिनांक 08-02-2018 के आधार पर प्राप्त हुई है, जिसमें कल्लूलाल यादव अपने हिस्से से अधिक हिस्सा बिना मेरे पक्षकारगण की सहमति के प्राप्त कर उस पर मकान निर्मित कर लिया है, शेष 1/4- 1/4 हिस्से के मालिक स्वामी व कब्जेधारी मेरे पक्षकारगण है। अनुविभागीय अधिकारी कटनी के विधि- विपरीत आदेश के आधार पर प्यारी बाई की फर्जी वसीयत निर्मित कर उक्त भूमि पर विमला बाई द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज करा लिया गया है, जिस आदेश के विरूद्ध मेरे पक्षकारगणों द्वारा अपील माननीय कमिश्नर महोदय जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत की गयी है, जो विचाराधीन है। मेरे पक्षकारगण द्वारा अपना उक्त हिस्सा प्राप्त हेतु माननीय चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-02, सोनम शर्मा की न्यायालय में व्यवहार वाद क्रं. 57ए/2022 प्रस्तुत किया है, जिसमें दिनांक 25-02-2022 को सुनवाई होना है। समंस की तामीली प्रतिवादीगण को हो चुकी है। उक्त भूमि पर कल्लूलाल व विमला यादव का अब कोई हक व कब्जा शेष नहीं हैं। अतः कोई भी व्यक्ति कल्लूलाल यादव व विमला यादव से उक्त भूमि को खरीदने का सौदा न करें न ही बैनामा अथवा अन्य कोई लेख ही निष्पादित कराये अन्यथा क्रेता को कोई अधिकार प्राप्त नहीं होंगे व बैनामा स्वमेव शून्य माना जावेगा व भविष्य के समस्त न्यायालयीन कार्यवाहियों व परिणामों के लिये स्वयं जिम्मेदार होंगे।

कटनी, दिनांक-
भवदीय- बी.के. मिश्रा एडव्होकेट
मदन मोहन चौबे वार्ड, कटनी जिला कटनी (म.प्र.)

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

किसान सम्मान निधि से कटेंगे अपात्रों के नाम

कटनी/रीठी। जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलहरी में विगत दिवस ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता सरपंच की अनुपस्थिति में उपसरपंच विनोद शंकर शर्मा ने की। ग्राम सभा के प्रारंभ में पंचायत सचिव राजेन्द्र महोबिया ने एजेंडा की जानकारी दी। ग्राम सभा में किसान सम्मान निधि में पात्र किसान हितग्राहियों के नाम जोड़ने व अपात्र हितग्राहियों के नाम काटने की कार्यवाही के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। ग्राम सभा में राजस्व विभाग से हल्का पटवारी को उपस्थिति होना चाहिए था लेकिन उनकी अनुपस्थिति में पटवारी कार्यालय में काम करने वाले विजय महोबिया ग्राम सभा में सम्मिलत हुए, जो कि शासकीय कर्मचारी नहीं है, उनके द्वारा ग्राम सभा में एजेंडा अनुसार किसान सम्मान निधि के पात्र अपात्र किसान हितग्राही के नाम जोड़ने की कार्यवाही की गई। विजय महोबिया ने बताया कि ग्राम सभा में 7 आवेदन किसान सम्मान निधि में नाम जोड़ने के आये हैं, जो पात्रता रखते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि गैर राजस्व व्यक्ति को किसने ग्राम सभा की राजस्व विभाग की कार्यवाही करने की अनुमति दी है। यह जांच का विषय है।

पात्रों के नाम जोड़ने ग्राम पंचायत बिलहरी में आयोजित ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित

Dr
सी. आर. एम.
डे केयर क्लीनिक
डॉ. एस. के. शर्मा, एमडी (मेडिसिन)
वरिष्ठ चिकित्सा एवं छाती रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिविल सर्जन, जिला अस्पताल
कटनी (म.प्र.) मो. 9425158548
सुबह 12 से सायं 4 बजे एवं रात्रि 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक
(रविवार अवकाश)
डॉ. अभिषेक शर्मा (एमबीबीएस)
डिप्लोमा इन कार्डियोलॉजी (पी.जी.डी.सी.सी.) फैलोशिप इन डायबिटिस, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ, पूर्व फीजिशियन जिला अस्पताल
कटनी म.प्र. मो. 8826395999 -
परामर्श समय : सुबह 10:30 बजे से दोपहर 04:30 बजे एवं सायं 06:30 बजे से रात्रि 08:30 बजे तक एवं रविवार प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक
सुविधाएं- ई.सी.जी., टी.एम.टी./ट्रेड मिल टेस्ट, इकोकार्डियोग्राफी, एक्सरसाइज स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी डोबुटामिन स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी एवं एक्सरे, पैथोलॉजी, पी.एफ.टी. (फेफड़े की जांच)
पता- डॉ. शर्मा तिराहा, बिहारी सोनी मार्केट, पुरानी बस्ती, आजाद चौक, कटनी, (म.प्र.) फोन- 07622-225824, 8826395999

mgm HOSPITAL
एम.जी.एम. में अब जनरल सर्जन एवं पेट रोग विशेषज्ञ अब 24 घण्टे उपलब्ध।
Our Specialist
डॉ.एस.के.सिंह
M.B.B.S., M.S.
सीनियर जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपी सर्जन
पूर्व चिकित्सक-
पोद्दार हॉस्पिटल , कोलकाता।
25 वर्ष का दूरबीन सर्जरी एवं अन्य सर्जरी का अनुभव।
आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध।
For Appointment call or Visit
OPD Timing - Everyday 10:30AM to 02:30PM & 05:30PM-09:00PM
एम.जी.एम. HOSPITAL
कचहरी चौक, फारेस्ट प्ले ग्राउंड के सामने, कटनी (मप्र) 483501
फोन नं: 07622-405070-71-72
Email: info@mgmhospitalkatni.com
Website: www.mgmhospitalkatni.com
NABH

उचित मूल्य राशन वितरण के लिए गांव में ही बने भवन

कटनी। बहोरीबंद जनपद की खम्हरिया पंचायत में उचित मूल्य राशन दुकान के लिए गांव के बाहर भवन बनाए जाने की तैयारी है जिसका ग्रामीणों द्वारा विरोध किया जा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि जिस जगह भवन बनाया जाना तय किया गया है वह जगह गांव से डेढ़ दो किलोमीटर दूर है। बहुत से बुजुर्ग, निशक्त जन और बीमार लोग उचित मूल्य से राशन प्राप्त करते हैं। इतनी दूर राशन लेने जाने में उन्हें बड़ी परेशानी होगी। वहीं श्मशान भूमि भी है ग्रामीण महिलाएं दिन में भी उस ओर जाने में डरती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के भीतर भी शासकीय भूमि उपलब्ध है ऐसे में गांव के भीतर ही उचित मूल्य दुकान का भवन का निर्माण किया जाना चाहिए।

लाखों खर्च होने के बाद भी घरों तक नहीं पहुंचा पानी

बड़खेरा में दो साल से बंद है नल- जल योजना, गहराता जा रहा जल संकट

कटनी। ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचने का सपना दिखाया गया। लाखों रुपये की राशि खर्च करके पानी की बड़ी ओवरहेड टंकी का निर्माण किया गया। बोर करके मोटर लगाई गई। यहां तक कि पूरे गांव में अंडर ग्राउंड पाईप लाइन भी बिछा दी गई। पूरा काम कम्प्लीट होने के बाद पी एच ई विभाग ने नल-जल परियोजना ग्राम पंचायत के हवाले भी कर दी पर जब पंचायत ने नल-जल योजना की शुरुआत की तो पाईप लाइन ही फूटी निकली। टंकी का पानी घरों तक पहुंचा ही नहीं। मोटर भी बंद करनी पड़ी। अब पूरा गांव पानी को लेकर परेशान है। पेयजल संकट अभी से गहराने लगा है, गर्मियों में क्या हाल होगा इसका अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

पेयजल की समस्या का यह मामला बड़वारा जनपद की बड़खेरा ग्राम पंचायत का है। जहां दो साल से नल-जल योजना बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में लोगों को घर-घर पानी पहुंचाने के लिए योजना तैयार की गई थी। योजना मंजूर होने के बाद राशि भी स्वीकृत हो गई। पी एच ई विभाग को पानी की टंकी बनवाने और पाईप लाइन बिछाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। टंकी बनने में ही कई साल लग गए। गांव में बड़ा बोर करके मोटर स्थापित की गई ताकि पानी टंकी तक चढ़ाया जा सके। टंकी बन जाने के बाद पाईप लाइन बिछाई गई। काम पूरा हो जाने के बाद पीएचई ने यह परियोजना ग्राम पंचायत के हवाले कर दी।

ग्रामीणों की माने तो जलापूर्ति के लिए बिछाई गई पाईप लाइन में पहले से ही लीकेज था जिसके चलते पाईप लाइन से पानी बहता रहता था। कुछ दिनों में

लीकेज और बढ़ता गय। पाईप लाइन का पानी सड़क में भरने लगा। बाद में सड़क पर यातायात के दबाव से पाईप लाइन जगह जगह से फूट गई। घटिया स्तर की पाइप लाइन कुछ महीने भी नहीं चल पाई। पाईप लाइन से बह रहे पानी से सड़क भी खराब होने लगी अंततः पेयजल आपूर्ति बंद करनी पड़ी। अब पिछले दो साल से नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों को या तो बोर के समीप से पानी भरना पड़ता है या फिर हैंड पम्प का सहारा लेना पड़ता है। बोर के समीप पानी की लंबी कतार लगती है। हैंड पम्पो की स्थिति भी अच्छी नहीं। कुछ तो बिगड़ गए है तो कुछ में काफी मेहनत करने के बाद भी मटमैला गंदा पानी आता है। पानी की समस्या दो साल से बढ़ती ही जा रही। कई बार पानी को लेकर ग्रामीणों के बीच कहा सुनी भी हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि गर्मियों के दिनों में पेयजल संकट और गहरा जाता है। ग्रामवासियों ने कई बार सरपंच और सचिव से प्रार्थना की पर समस्या का हल नहीं निकला। पिछले दिनों ग्राम के अर्जुन तिवारी, अश्वनी तिवारी, करनपाल, मुकेश, घनश्याम यादव, राम विशाल, शांति लाल, नरेश, मनीराम, गिरजा शंकर, आदित्य समदड़िया, कपिल दुबे, प्रदीप नामदेव पुरुषोत्तम पटेल, मूलचंद, प्रकाश यादव आदि ने विधायक विजयराघवेंद्र सिंह एवं कलेक्टर को आवेदन देकर गांव की क्षतिग्रस्त पाइप लाइन बदलवाए जाने की मांग की है ताकि ग्राम में पुनः नल जल योजना के माध्यम से पानी की आपूर्ति हो सके और ग्रामीणों की पेयजल समस्या का स्थायी निराकरण हो सके।

शिकायत के त्वरित निराकरण पर उपयंत्री को मिला प्रशंसा पत्र

कटनी। सीएम हेल्पलाइन में की गई शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जहां नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब किया जा रहा है। वहीं शिकायतों का त्वरित एवं संतुष्टीपूण निराकरण करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया जा रहा है। नगर पालिक निगम कटनी की यांत्रिकीय शाखा से संबंधित सी.एम. हैल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण में उपयंत्री एस.के.गर्ग द्वारा कार्यक्षेत्र से संबंधित शिकायतकर्ता से संपर्क करते हुए शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करनें पर निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे द्वारा यंत्रियों में सबसे श्रेष्ठ कार्य करने का प्रशंसा पत्र जारी किया गया है। निगमायुक्त धाकरे ने शिकायतों के निराकरण हेतु उपयंत्री एस.के.गर्ग से शिकायतों के निराकरण में अपनायी जा रही गुणात्मक प्रक्रिया की सराहना करते हुए नगर निगम के सहयोगी साथियों को प्रशिक्षित कर कटनी नगर निगम को बेहतर रैंक दिलाने में सहयोग प्रदान करने की आशा की है।

महिला दिवस पर आयोजित हुई प्राकृतिक चिकित्सा पर कार्यशाला

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया ने फर्स्ट स्टेप स्कूल में किया आयोजन

कटनी। राष्ट्रीय महिला दिवस पर सिंधी समाज, भाषा, संस्कृति व सभ्यता के उत्थान के लिए सदैव सक्रिय रहने वाली संस्था सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा स्थानीय फर्स्ट स्टेप स्कूल नई बस्ती में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपने एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु हजारों वर्ष पुरानी प्राकृतिक चिकित्सा एवं महिला सशक्तिकरण मिशन के अंतर्गत महिलाओं में

वर्तमान एवं भविष्य में होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पटना से आई हुई डॉ. प्रभा ने उपस्थित महिलाओं का परीक्षण करके एवं उससे संबंधित सवालों का जवाब देकर उन्हें अपने एवं अपने परिवार का डॉक्टर खुद बनने हेतु प्रेरित किया। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की अध्यक्ष नीलम जगवानी के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वह खुद की पहचान बना सके एवं आर्थिक रूप से भी स्वतंत्र हो सके। कार्यक्रम में मोना पुरुसवानी, अनीता जोधवानी, इंदु खूबचंदानी, पूजा मंगलानी, मधु खूबचंदानी, रेशमा पंजवानी, मीनू मोटवानी, सपना पोपटानी की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन काउंसिल की कोषाध्यक्ष नीतू लालवानी ने किया।

आंगनबाड़ी केन्द्र झिंझरी में विधिक जागरूकता शिविर

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष श्यामाचरण उपाध्याय के मार्गदर्शन में, जिला न्यायाधीश व सचिव दिनेश कुमार नोटिया के दिशा-निर्देशन में आंगनवाड़ी केन्द्र झिंझरी में विधिक साक्षरता शिविर, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर पीएलव्ही मनीषा प्यासी ने उपस्थित बच्चों एवं महिलाओं को घरेलु हिंसा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, गुड टच एवं बैड टच, महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकार, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, ऐसिड हमले के पीड़ितों के लिये विधिक सेवा योजना, आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिये विधिक सेवा योजना, मध्यस्थता, लोक अदालत तथा निःशुल्क हेल्पलाईन नंबर 15100 के संबंध में जानकारी प्रदान की। साथ ही न्यायालयीन कार्य को सरल एवं सुगम बनाने हेतु ई-सेवा एवं ई-न्यायालय से संबंधित जानकारी दी।

डॉ. आर.के. सिंह द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार एवं खान-पान से संबंधित जानकारी प्रदान की गयी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता तिवारी ने सेनेटरी नेपकिन कॉर्नर एवं किशोरी बालिकाओं के स्वास्थय एवं सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की। उक्त कार्यक्रम में फील्ड कोर्डिनेटर मोनिका जैन, ज्योति वर्मन, सावित्री सोनी, माला बेन, प्रियंका यादव, सुनीता लखेरा, प्रीति विश्वकर्मा, लाडली यादव, फूलबाई, दीपांजलि तिवारी, राधिका चौधरी, दीपाली तिवारी, राम पटेल, अंशिका, आराधना, सोना आदि उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत 12 मार्च को

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जुटा तैयारियों में

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी श्यामाचरण उपाध्याय के मार्गदर्शन में, जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी दिनेश कुमार नोटिया के दिशा-निर्देशन में जिले के समस्त न्यायालयों एवं अन्य विभागों में 12 मार्च 2022 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। नेशनल लोक अदालत की तैयारी वृहद स्तर पर की जा रही है। इस लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण किया जाना है, जिस हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा सभी न्यायाधीशों को राजीनामा योग्य समस्त प्रकरणों को चिन्हित करने एवं निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका निगम के प्रकरणों में संपत्ति कर, जल कर एवं विद्युत प्रकरणों में शासन द्वारा अधिक से अधिक छूट प्रदाय की जावेगी। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, प्री-लिटिगेशन प्रकरण, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट के अंतर्गत चैंक बाउन्स प्रकरण, पारिवारिक विवादों के प्रकरण, ग्राम न्यायालय, राजस्व न्यायालय तथा अन्य समस्त प्रकार के समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। पुलिस परामर्श केन्द्र के अंतर्गत घरेलू हिंसा अधिनियम, पारिवारिक,वैवाहिक विवादों के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण उक्त नेशनल लोक अदालत में किया जाएगा। जिला न्यायाधीश,सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी श्री नोटिया, ने सभी जिलावासियों से दिनांक 12 मार्च 2022 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अवसर का लाभ उठाते हुये अपने प्रकरणों का निराकरण कराने की अपील की है।

अब कम्प्यूटर पर दर्ज होगी हादसों में घायलों की जानकारी

निजी अस्पताल व नर्सिंग होम संचालकों को एनआईसी में दिया गया आईआरएडी का प्रशिक्षण

कटनी। दुर्घटना में घायल संबंधी जानकारी को साफ्टवेयर में किस तरीके से दर्ज करना है, इसको लेकर एनआईसी कक्ष में शहर के प्राइवेट हास्पिटल व नर्सिंग होम के संचालकों को मंगलवार को आईआरएडी प्रशिक्षण दिया गया। एनआईसी प्रभारी प्रफुल्ल श्रीवास्तव ने बताया कि आने वाले दिनों में सभी प्राइवेट हास्पिटल व नर्सिंग होम को आईआरएडी में पंजीकृत होना पड़ेगा। यह प्रोजेक्ट भारत सरकार के सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय द्वारा तैयार करवाया गया है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में है। इसमें पुलिस, स्वास्थ्य, आरटीओ व सड़क विभाग से संबंधित विभागों को मिलकर काम करना है ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके। इसको लेकर मंगलवार को एनआईसी कक्ष में आईआरएडी रोल आउट मैनेजर सुरजीत माइती ने निजी अस्पताल व नर्सिंग होम के संचालकों को साफ्टवेयर से संबंधित जानकारी प्रदान की।

पहले दिन जिले के सभी 1712 आंगनबाड़ी केन्द्रों में हुआ आयोजन

28 फरवरी तक चलेगा सघन पोषण पखवाड़ा

कटनी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार समाज के सभी वर्गो और क्षेत्रों में बच्चों के पोषण के प्रति परिवार एवं समुदाय को जागरूक करना एवं स्वस्थ रहने हेतु परिवार एवं बच्चों में स्पर्धा की भावना को बढावा देने तथा वर्तमान में पोषण के स्तर की जानकारी देने के उदेदश्य से मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्द्धन कार्यक्रम अन्तर्गत 15 फरवरी से 28 फरवरी की अवधि में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सघन पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

कटनी जिले के लिए भारत सरकार द्वारा 181809 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्व 131594 बच्चों का चिन्हांकन किया गया है। सघन पोषण पखवाड़ा अन्तर्गत परियोजना, सेक्टर एवं ग्राम व शहरी वार्ड अंतर्गत हितग्राहियों के अधिकतम पंजीयन कर 0 से 06 वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन कर उनके ग्रेड अनुसार वर्गीकरण किया जायेगा।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में सघन पोषण पखवाड़ा के निरीक्षण हेतु जिला स्तर के अधिकारी ऑगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण कर आंगनवाडी केन्द्रों में शत प्रतिशत बच्चों का शारीरिक माप सुनिश्चित करेगें। इसी क्रम में मंगलवार को सघन पोषण पखवाड़ा के प्रथम दिवस पर 1712 ऑगनबाडी केन्द्रों में 32872 बच्चों का केन्द्र में उपलब्ध इन्फेंटोमीटर, स्टेडियोमीटर, साल्टर स्केल से आयु अनुसार शारीरिक माप लिया गया। आंगनवाडी केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं के अतिरिक्त अन्य सुविधाओं की पूर्ति हेतु सामाजिक सहभागिता एवं जागरूकता करने हेतु दानदाताओं, सहयोगियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों से सम्बद्ध किया जा रहा है, जो आंगनवाडी केन्द्र को एडॉप्ट कर इन केन्द्रों की आधारभूत आवश्यकताओं एवं सेवाओं में अपनी सहभागिता कर सके। ग्राम एवं शहरी वार्ड क्षेत्रों में विभिन्न सहयोगी संगठन जैसे शौर्यदल, महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों, सहयोगिनी मातृ समिति, दीनदयाल अन्त्योदय समिति, जनअभियान परिषद आदि संगठनों से सहयोग लिया जा रहा है।

मेरा वोट मेरा भविष्य है-ताकत एक वोट की

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर होगी जागरूकता स्पर्धा, पांच श्रेणिया में ऑनलाइन प्रविष्टि जारी

कटनी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता मेरा वोट मेरा भविष्य है-ताकत एक वोट का आयोजन किया जा रहा है। सभी आयु समूहों के लिए पांच प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिसकी प्रविष्टियां ऑनलाइन 15 मार्च तक जमा होंगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी साधना परस्ते ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से हर वोट के महत्व को समझाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। निर्धारित विषय पर प्रश्नोत्तरी, स्लोगन, गीत, वीडियो निर्माण और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा और विजेताओं को नकद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चुनावी प्रक्रिया के बारे में सरल, मध्यम व कठिन तीन चरण में प्रतियोगिता होगी। स्लोगन स्पर्धा में विषय पर अपने आकर्षक स्लोगन प्रतिभागियों को देने होंगे। गीत प्रतियोगिता में शास्त्रीय, समकालीन व रैप आदि की 3 मिनट तक का गीत और वीडियो प्रतियोगिता में एक मिनट के वीडियो की प्रविष्ठी मान्य होगी। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी डिजीटल पोस्टर, स्कैच या हाथ से पेंट किए गए पोस्टर जमा कर सकते हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता संस्थागत श्रेणी (स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय),

व्यवसायिक श्रेणी (वीडियो निर्माण, डिजाइनिंग से जुड़े व्यक्ति) और शौकीन व्यक्ति श्रेणी में आयोजित की जा रही है। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम तीन विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित समिति द्वारा सभी श्रेणियों में प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर पंजीयन करके प्रतियोगिता में प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। इसकी लिंक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट व विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध है। सभी प्रविष्टियां 15 मार्च तक ईमेल आईडी पर प्रतिभागियों के विवरण के साथ जमा की जाएंगी। वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता की संस्थागत श्रेणी में 2 लाख रूपये का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रूपये, तृतीय 75 हजार व विशेष पुरस्कार के रूप में 75 हजार रूपये दिए जाएंगे। व्यवसायिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार रूपये, द्वितीय 30 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 20 हजार व विशेष पुरस्कार में 10 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाएगी। शौकिया श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 30 हजार, द्वितीय 20 हजार, तृतीय पुरस्कार 10 हजार और विशेष पुरस्कार 5 हजार रूपये का दिया जाएगा।

पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता की संस्थागत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार रूपये, द्वितीय 30 हजार, तृतीय पुरस्कार 20 हजार रूपये, विशेष पुरस्कार 10 हजार रूपये दिए जाएगा। व्यवसायिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 30 हजार, द्वितीय 20 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 10 हजार रूपये व विशेष पुरस्कार 5 हजार रूपये और शौकिया श्रेणी में प्रथम 20 हजार रूपये, द्वितीय 10 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 7500 रूपये और विशेष पुरस्कार के रूप में 3 हजार रूपये प्रदान किए जाएंगे। इसी प्रकार स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 20 हजार रूपये, द्वितीय 10 हजार और तृतीय पुरस्कार के रूप में 7500 रूपये प्रदान किए जाएंगे। 50 प्रतिभागियों को प्रति प्रतिभागी 2 हजार रूपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा और प्रतियोगिता के तीनों चरणों को पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

विजेता प्रतिभागियों को मिलेंगे नकद पुरस्कार

उपजिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी श्रेणी में विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गीत प्रतियोगिता में संस्थागत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपये, द्वितीय 50 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 30 हजार रूपये और 15 हजार रूपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार व्यवसायिक श्रेणी में प्रथम 50 हजार, द्वितीय 30 हजार, तृतीय पुरस्कार 20 हजार रूपये और विशेष पुरस्कार में 10 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाएगी। शौकिया श्रेणी में प्रथम 20 हजार, द्वितीय 10 हजार, तृतीय पुरस्कार 7500 रूपये और 3 हजार रूपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

कांग्रेस ने रामनिवास वार्ड में किया जनसंपर्क

कटनी। कांग्रेस के घर चलो, घर-घर चलो अभियान के तहत गत 16 जनवरी को कांग्रेस जनों ने जिलाध्यक्ष मिथलेश जैन के नेतृत्व में रामनिवास सिंह वार्ड में जन संपर्क किया। जन जागरण अभियान चलाकर लोगों को प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया गया।

घर चलो, घर-घर चलो अभियान के तहत दिलाई पार्टी की सदस्यता

महंगाई, बेरोजगारी, मनमाने बिजली बिल आदि की समस्या से जूझ रहे आम नागरिकों में भी भाजपा सरकार के कार्यों के प्रति असंतोष देखा गया। कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर अनेक लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक रही। जनसंपर्क के दौरान जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मिथलेश जैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता करण सिंह चौहान, जालिम यादव, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष पंकज गौतम, एनएसयूआई अध्यक्ष अंशु मिश्रा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर निशा मिश्रा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण माया चौधरी, हेमा शर्मा, मुमताज बानो, लता खरे, शोभा मंगलानी, मनोज बाझल, जितेंद्र गुप्ता, राजेश भारद्वाज, पार्थ समाधिया, जगदीश निषाद, अहमद कुरैशी, शाहरुख खान, रमेश अहिरवार, गगन तिवारी, स्वप्निल सिंह, राहुल कुशवाहा, ओमी कोरी, मोहम्मद औसाफ, मोहम्मद साहिल, जागेश्वर प्रसाद, रजत यादव, अजय खटीक, आशीष चतुर्वेदी, अब्दुल वाहिद, वसीम खान, अभय तिवारी अन्य कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

अपराधियों के बीच खत्म हुआ खाकी का खौफ

कमानिया गेट के पास दिनदहाड़े सरेराह चाकूओं से गोदकर युवक की नृशंस हत्या

रंजिशन वारदात से फैली सनसनी, सभी आरोपी गिरफ्तार

कटनी। शहर में अपराधियों के बीच खाकी का खौफ पूरी तरह से खत्म होता जा रहा है। कोतवाली के मेनरोड कमानिया गेट क्षेत्र गुरुवार की दोपहर सरेराह एक युवक की दिनदहाड़े चाकू से गोदकर नृशंस हत्या की वारदात से शहर में सनसनी फैल गई। दिनदहाड़े वारदात से शहर में पुलिसिंग पर भी लोग सवालियां निशान उठाने लगे हैं। बहरहाल कोतवाली थाना से चंद कदमों की दूरी पर ही हमलावर युवक पर ताबड़तोड़ चाकुओं से वार कर व सिर पर चीप पटक कर मौके से फरार हो गए। हालांकि वारदात के बाद सक्रिय हुई पुलिस वारदात को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल हो गई है। गौरतलब है कि रंजिश के चलते गांधीगंज निवासी निखिल ताम्रकार, नीलेश ताम्रकार, नीतेश ताम्रकार व सचिन लखेरा नामक युवकों ने गायत्रीनगर क्षेत्र निवासी 21 वर्षीय शिवम पिता राजन शुक्ला की कमानिया गेट के पास

उस समय चाकूओं से गोदकर नृशंस हत्या कर दी थी। जब वह अपने साथी शुभम गोस्वामी के साथ किसी मामले की पेशी में झिंझरी स्थित जिला न्यायालय जा रहा था। बताया जाता है कि सरेराह आरोपियों ने शिवम को कमानिया गेट के पास घेरा और पहले चाकू से उसके शरीर पर कई बार किए। इसके बाद जब शिवम लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया तो उसके सिर पर पास ही पड़ी चीप को पटक दिया। जिसके कारण शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। उधर दिनदहाड़े सरेराह हुई इस नृशंस हत्या की वारदात से शहर में सनसनी फैल गई और लोगों ने घटना को लचर पुलिस व्यवस्था का परिणाम बताया। उधर वारदात के बाद पुलिस सक्रिय हुई और सबसे पहले मृतक शिवम का जिला अस्पताल में पीएम कराया। इसके बाद शिवम के साथ रहे शुभम गोस्वामी की शिकायत पर गांधीगंज निवासी निखिल ताम्रकार, नीलेश ताम्रकार, नीतेश ताम्रकार व सचिन लखेरा के विरूद्ध धारा 302, 34 के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई। जिसमें पुलिस को सफलता मिल गई और पुलिस ने फरार होने के पूर्व ही घेराबंदी करके सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जिला मुख्यालय के आसपास अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा प्रशासन

बरही में अवैध कॉलोनाइजरों पर दूसरी एफआईआर

कटनी। जिला मुख्यालय के आसपास अवैध प्लाटिंग के मामलों में भले ही भूमाफियाओं पर पुलिस व प्रशासन कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में थाना प्रभारी शासन व प्रशासन की ही गाइड लाइन का पालन करते हुए थाना क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग करने वाले भूमाफियाओं पर कार्रवाई कर रहे है। विगत एक पखवाड़े के अंदर बरही पुलिस ने अवैध प्लाटिंग करने के मामले में दूसरी कार्रवाई की है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा अवैध कॉलोनाइजर, भू-मफिया, राशन की काला बाजारी, मिलावटखोरों, भू-माफियाओं चिटफंड कंपनी के कारोबारियों एवं सूदखोरों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश प्रशासन व पुलिस विभाग को दिये गये हैं।

कार्रवाई से हड़कंप

उक्त निर्देशों के तहत कटनी पुलिस एवं प्रशासन द्वारा बरही में अवैध कॉलोनाइजर एवं भू माफिया के खिलाफ एफआईआर की गई है। पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार केडिया के दिशा निर्देश तथा विजयराघवगढ़ एसडीओपी शिखा सोनी के मार्गदर्शन में बरही थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बरही निवासी प्रभुदत्त तिवारी पिता राम विशाल तिवारी, हरिहर प्रसाद पटेल पिता दीनबंधु पटेल, संदीप पिता लालजी, पीयूष अग्रवाल पिता कमला प्रसाद अग्रवाल व रामअवतार तिवारी पिता विश्वनाथ तिवारी के द्वारा ग्राम बरही स्थित खसरा नंबर 937/11, 937/12, 937/7 ग में अवैध प्लाटिंग करके छोटे-छोटे भूखंडों में भूमि का विक्रय किए जाने के मामले में मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61 घ की उपधारा (3) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। जिसमें 16 प्लाट धारियों के द्वारा मकान निर्माण भी कर लिया है। बरही थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि उक्त आरोपियों द्वारा कॉलोनी विकास से संबंधित स्वीकृत नक्शा तथा कॉलोनी विकास की अनुमति प्राप्त किए बिना बड़े पैमाने पर प्लाटों की लाखों में बिक्री की गई जो अवैध कॉलोनी निर्माण की श्रेणी में आता है। मध्यप्रदेश राज्य एवं ग्राम पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 61 की उप धारा 3 में कॉलोनी निर्माण करने वाला कोई व्यक्ति जो कानूनी निर्माण करने के उद्देश्य से अपनी भूमि को या किसी अन्य की भूमि को इस अधिनियम या इस निमित्त बनाए गए नियमों के पालन ना करके भूखंड में विभाजित करता है तो अवैध कॉलोनाइजेशन की श्रेणी में अपराध होता है। उक्त कानून में प्रावधान किया गया है कि जो कोई अवैध कॉलोनी निर्माण करेगा उसे 3 वर्ष से 7 वर्ष तक की सजा और जुर्माना दंडित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अनुविभागीय दंडाधिकारी विजयराघवगढ़ के द्वारा प्रस्तुत की गई जांच रिपोर्ट पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा द्वारा अपराध दर्ज किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। अनुविभागीय दंडाधिकारी विजयराघवगढ़ द्वारा की गई जांच में पाया गया कि उक्त कॉलोनाइजर द्वारा मुख्य मार्ग से कॉलोनी तक पहुंचने के लिए सड़क निर्माण नहीं कराया गया है एवं कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी नहीं कराई गई है। ना ही पीने की पानी की व्यवस्था कराई गई है और ना ही नालियों का निर्माण कराया गया है। कॉलोनी वासियों के लिए शादी/पार्टी के लिए गार्डन एवं सार्वजनिक स्थल, खेलकूद मैदान की प्रथक से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। भूमि स्वामी द्वारा का कॉलोनाइजर का लाइसेंस नहीं लिया गया एवं भूमि का डायवर्शन नहीं कराया गया है।

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

बरही पुलिस की कार्रवाई

कटनी। बरही पुलिस ने रेत का अवैध रूप से परिवहन करते ट्रेक्टर-ट्राली को पकड़ कर चालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। बरही थाना प्रभारी अरविंद जैन के मुताबिक बरही रेल्वे पुलिया के पास की एक लाल रंग के महेन्द्रा कम्पनी के ट्रैक्टर-ट्राली में अवैध रूप से रेत परिवहन होने की सूचना मिली। सूचना की तस्दीक करने पुलिस मौके पर पहुंची पतो एक ट्रेक्टर बिना नम्बर का माडल नम्बर बी 275 डी आई का चालक चोरी की रेत का परिवहन करते पुलिस को मिल गया। ट्रेक्टर को ग्राम बिचपुरा निवासी 24 वर्षीय मनोज सिंह पिता बैंकट सिंह गौड़ चला रहा था। जिससे रेत के संबंध में दस्तावेज मांग गए तो वो किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं दिखा सका। जिसके बाद ट्रेक्टर-ट्राली को जप्त कर थाने में खड़ा कराया गया और चालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक हुकुम सिंह, प्रधान आरक्षक व्यास प्रसाद गुप्ता व अजय पाठक की भूमिका रही।

अनियंत्रित होकर कार पलटी, 5 घायल

कटनी। बाकल थाना अंतर्गत राजासलैया मोड़ पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके कारण उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि कुंडलपुर से जबलपुर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हुआ। घायलों को डायल-100 वाहन की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहोरीबंद मे भर्ती कराया गया है। कार पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक ही परिवार के लोग घायल हुए हैं। सभी का उपचार जारी है।

रेलवे ने किया एलएचबी पॉवर कार प्रणाली (एचओजी) में परिवर्तित, ऊर्जा में बचत एवं वायु प्रदूषण होगा कम

हेड ऑन जनरेशन तकनीकी से लैस हुईं कई ट्रेनें

कटनी। उर्जा बचत दिशा में रेलवे के द्धारा कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिसमें पश्चिम मध्य रेल भी अहम भूमिका निभा रहा है। इसी तारतम्य में कटनी सहित पश्चिम मध्य रेलवे विभिन्न रेल स्टेशनों से प्रारंभ व टर्मिनेट होने वाली कई ट्रेनों के एलएचबी रैको को परिवर्तित किया जा रहा है। एलएचबी रैको वाली ट्रेनों को हेड ऑन जनरेशन (एचओजी) तकनीक युक्त बनाया जा रहा है।

इस तरह पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण प्रणाली और पॉवर सप्लाई प्रणाली द्वारा उच्च तकनीक के उपयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसी उच्च तकनीक पर आधारित हेड ऑन जनरेशन तकनीकी का उदगम हुआ, जिसका रेलवे में तेजी से उपयोग किया जा रहा है। इस हेड ऑन जनरेशन तकनीक को हॉटेल लोड के नाम से भी जाना जाता है। हेड ऑन जनरेशन तकनीकी में दो चीजें प्रमुख होती है। हेड ऑन जेनरेशन कंप्लाइन्ट लोकोमोटिव और हेड ऑन जनरेशन कंप्लाइन्ट रेक होते है। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मण्डल में 22 रैकों भोपाल मण्डल में 06 रैको एवं कोटा मण्डल में 08 रैको सहित 36 रैको को एलएचबी पॉवर कार प्रणाली (ईओजी) से परवर्तित करके हेड ऑन जनरेशन प्रणाली (एचओजी) कर दिया गया है। जिसमें कोचों की विद्युत सप्लाई की आपूर्ति हेड ऑन जनरेशन के माध्यम से विद्युत ओएचई तारों द्वारा की जाएगी। हेड ऑन जनरेशन से संचालित रेलगाड़ियों से डीजल ईंधन की बचत होगी साथ ही ध्वनि एवं वायु प्रदूषण से भी निजात मिलेगी।

एलएचबी पॉवर कार को एचओजी युक्त बनाने के कई फायदे

पहले एलएचबी कोचों के रेक को पॉवर सप्लाई उपलब्ध करवाने के लिए रेक के दोनों तरफ पॉवर जनरेटर कार लगाये जाते थे। जिसमें अत्यधिक डीजल फ्यूल खर्च होता था। अब पॉवर सप्लाई एलएचबी कोचों के रेक को इलेक्ट्रिक इंजन से हेड ऑन जनरेशन तकनीक के माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है। जिसके कारण पॉवर जनरेटर कार की आवश्यकता इमरजेंसी में पड़ती है। भविष्य में पॉवर जनरेटर कार के स्थान पर यात्री कोच लगाने का भी विचार किया जा रहा है जिससे रेलवे राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी और यात्री सुविधाओं में वृद्धि। पहले पॉवर जनरेटर कार के इंजन को चलाने के लिए अत्यधिक डीजल फ्यूल खर्च होता था लेकिन अब ये खर्च हेड ऑन जनरेशन तकनीक के कारण डीजल की बचत हो गयी। पॉवर जनरेटर कार में अत्यधिक डीजल फ्यूल के उपयोग के कारण वायुमंडल में वायु प्रदूषण अत्यधिक होता था, जिससे हानि कारक गैसे उत्पन्न होती थी लेकिन अब इन सब पर भी अंकुश लगा। पहले पॉवर जनरेटर कार के इंजन से अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण होता था। जिससे मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था लेकिन अब नहीं।

इन ट्रेनों से हुई शुरूआत

हेड ऑन जनरेशन तकनीकी का उपयोग कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा व कटनी साउथ स्टेशन होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों में किया जा रहा है। जिसमें जबलपुर-निजामुद्दीन-जबलपुर गोंडवाना एक्सप्रेस, जबलपुर-निजामुद्दीन-जबलपुर एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, जबलपुर-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-जबलपुर एक्सप्रेस, जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस, जबलपुर-नागपुर-जबलपुर अमरावती एक्सप्रेस, जबलपुर-सोमनाथ-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस (वाया इटारसी और वाया कटनी मुड़वारा), जबलपुर-इंदौर-जबलपुर ओवर नाइट एक्सप्रेस, रानी कमलापति-संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस, रानी कमलापति-पुणे-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस, रानी कमलापति-जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस, रानी कमलापति-निजामुद्दीन-रानी कमलापति शान ए भोपाल एक्सप्रेस, कोटा-निजामुद्दीन-कोटा जनशताब्दी एक्सप्रेस, कोटा-श्रीगंगानगर-कोटा एक्सप्रेस एवं कोटा-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन शामिल है।

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करे फोन :- 230033

तेरहवीं

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे सुपुत्र
योगेश तिवारी
का बैकुण्ठवास सोमवार 07 फरवरी 2022 को हो गया है जिनकी आत्मा की शांति हेतु गंगाजली पूजन एवं तेरहवीं शनिवार 19 फरवरी 2022 को सम्पन्न होगी।
कार्यक्रम स्थल
निज निवास नीरज टॉकीज के पीछे गोपाल बाग, कटनी
मो.नं. 9424957890, 9685838090, 8989632290
शोकाकुल
देवेन्द्र (संजय) तिवारी (पिता), धर्मेन्द्र तिवारी (बड़े पिता), प्रमेन्द्र तिवारी (चाचा), मोहित तिवारी (भाई) एवं समस्त तिवारी परिवार

बेचना है
द्वारका सिटी, बरगवां कटनी में पानी की टंकी के पास मकान नं. 236, 237 बेचना है। प्रत्येक 480 वर्गफुट का स्वतंत्र मकान छत सहित। एक कमरा, किचिन, लेटबाथ, के साथ बरामदा (क्लोज) तत्काल बेचना है। शीघ्र संपर्क करें-
मो. 9977761441
9425859026

JOB OPENING
Requirement/skills
1. Tally, 2. Micro-soft Excel, Word
3. Communication Skills
The Dinesh Goods Transport Co.
Address- Near Ajay Dall Mill Madhavnagar gate Acc Post Katni m.p.
For Application
Contact- Ayush Jain
Mo. 8989020207

पोस्ट कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist
डॉ. स्मिता बजाज
MBBS, DTCD, CCEDM
टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबटीज स्पेशलिस्ट
मौसम बदलने पर बार-बार खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना
नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी टेस्टिंग) की सुविधा उपलब्ध है।
संपर्क करे- डॉ. राजीव बजाज (शिशु रोग विशेषज्ञ)
कन्हैया हास्पिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी
फोन-07622-236253, मो. 6266203009

विश्वप्रसिद्ध सर्जन
डॉ.डी.यू. पाठक
एम.एस.लेजर सर्जन
दिनांक-19 फरवरी दिन शनिवार
समय- सुबह 8 बजे से सायं 3 बजे तक
उपलब्ध उपचार- फिस्टुला, फिशर एवं पाइल्स ऑपरेशन हेतु
नोट :- असुविधा से बचने के लिए शीघ्र ही रजिस्ट्रेशन करायें।
श्री हॉस्पिटल
एम.एम. चौबे वार्ड, जबलपुर रोड कटनी
डॉ. दीपक सक्सेना
एम.एस. लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. शोभना सक्सेना
एम.एस. सर्जन (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
मो. 9425325316, 942515143, 8962262200

JOHNSON
Not just tiles, Lifestyles.

सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान
समर्थ
मार्बल एण्ड ग्रेनाईट
पता- टीवीएस शोरूम के बाजू में जबलपुर रोड, बरगवां कटनी मो. 9425153498, 7067666668

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

देवपद स्किन एवं हेयर क्लीनिक
डॉ. कनिका अग्रवाल
M.B.B.S. D.D.V. (Mumbai)
सौन्दर्य एवं चर्मरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक नानावटी हॉस्पिटल मुम्बई
कील मुहाँसे, दाद, खाज, खुजली, एलर्जी, टैनिंग, सफेद दाग, कुष्ठ रोग, मस्सा, तिल, कार्न वार्ट, सोराएसिस, एक्जीमा, एंटी एजिंग, नाखुन के रोग, बाल झड़ना, शिशु चर्मरोग, कान की सिलाई, पी.आर.पी केमिकल पीलिंग, मेडिफेशियल, डर्मारोलर
मिलने का समय-सुबह 9:30 बजे से दोप.11:30 बजे तक एवं सायं 4:30 बजे से सायं 7:30 बजे तक।
महावीर कीर्ति स्तंभ के सामने
झंडा बाजार, कटनी मो. 7045044274

ROYAL VINTAGE
for Bride-Groom Entry & Auspicious Program
केवल 16000 में
Hire Vintage Car for Wedding
Vintage Car Rent

Contact us @ Katni : Mr. Ajay 9754005830, 9575796008

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)